The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II ---खण्ड 3----- अपलण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (f)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹0 139]

मई दिल्ली, शनियार, भई 6, 1972/वैसास 16, 1894

No. 139] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 6, 1972, VAISAKHA 16, 1854

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compliation

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th May, 1972

G.S.R. 275(E).—The following Order made by the President is published for general information:—

C.O. 93

THE CONSTITUTION (APPLICATION TO JAMMU AND KASHMIR) SECOND AMENDMENT ORDER, 1972.

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 370 of the Constitution, the President, with the concurrence of the Government of the State of Jammu and Kashmir, is pleased to make the following Order:—

- 1. (1) This Order may be called the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Second Amendment Order, 1972.
 - (2) It shall come into force at once.
- 2. In paragraph 2 of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954,—
- (1) in sub-paragraph (6) (relating to PART XI), for clause (b), the following clause shall be substituted, namely:—
 - '(b) For article 248, the following article shall be substituted, namely:—
 248. Residuary powers of legislation.—Parliament has exclusive power
 - to make any law with respect to—
 - (a) prevention of activities directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India

or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution; and

- (b) taxes on-
 - (i) foreign travel by sea or air;
 - (ii) inland air travel;
 - (iii) postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.".".
- (2) in sub-paragraph (22) (relating to the SEVENTH SCHEDULE), in clause (a), for item (iv), the following item shall be substituted, namely:—
 - '(lv) for entry 97, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "97. Prevention of activities directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution; taxes on foreign travel by sea or air, on inland air travel and on postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.".

v. v. giri,

President.

[No. F. 19(6)/71-LI.] K. K. SUNDARAM, Jt. Secy.

विधि भीर न्याय मंत्रालय

(बिधायी विभाग)

ग्र**िधस्**वना

नई दिन्ली, 6 मई, 1972

सा०का०ति० ७७७६ ----राष्ट्रपित द्वारा किया गया निम्नलिखित भ्रादेश सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है :---

सं०प्रा० 93 🕴

संविवान (जन्मू-कश्नीर कः लागू होता) द्वितीय संशोधन ख्रावेश, 1972

संविधान के अनु च्छेद 370 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त मक्सियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति अम्म -कंग्मीर राज्य सरकार की सहमति से, निम्नलिखित आदेश करते हैं :--

- (1) यह ब्रादेश संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) द्वितीय संशोधन आदश, 1972
 कहा जा सकेगा।
 - (2), यह प्रन्त प्रवृत्त हु.मा ।
- 2. संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) आदेश, 1954 के पैरा 2 में, (i) उप-पैरा (6) में (जो भाग II से सम्बद्ध है) खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएंगा, अर्थात् :--
 - (ख) अनुज्छेद 248 के स्थान पर निम्नालिखित अनुज्छेद प्रतिस्थापित किया जाएमा, अर्थात् :"248 अर्थातः उन्तिवाल स्थित्यां--संसद् को निम्नालिखित के बारे में विधि बनाने
 की अनुन्य प्रावित है.--
 - (कं) भारत की प्रभुता श्रीर प्रादेशिक अखण्डता की श्रन-श्रगीकरण करने, चुनौती देने श्रीर विच्छिन्न करने वाले, श्रथना भारत-राज्यक्षेत्र के किसी भाग का श्रध्यर्पण कराने

वाले भ्रथमा संघ में से भारत राज्यक्षेत्र का कोई भाग विलग कराने वाले भ्रथवा भारतीय राष्ट्रीय ब्वज, भारतीय राष्ट्रगान तथा इस संविधान का भ्रपमान करने वाले कियाकलापों का निवारण ; भौर

- (ख) निम्नलिखित पर कर,---
 - (i) समुद्र या वायुद्धारा विदेश याका ;
 - (ii) भ्रन्तर्वेशीय वायु याता ;
 - (iii) डाक वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत मनीआर्डर, फोनोग्राम तथा तार भी हैं।"।'
- (2) उप-पैरा (22) में (जो सप्तम अनुसूची रूसे सम्बद्ध है) खण्ड , (क) की मब (iV) के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :----!
 - '(iv) प्रविष्टि १७ के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी ग्रंथीत् :---
 - "97. भारत की प्रभुता और प्रादेशिक प्रसाण्डता को अन-अगीकरण करने, चुनौती देने और विच्छिन्न करने बाले अथवा भारत-राज्यक्षेत के किसी भाग का अध्यर्गण कराने वाले अथवा संघ में से भारत राज्यक्षेत का कोई भाग विलग कराने वाले अथवा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, भारतीय राष्ट्रगान तथा इस संविधान का अपमान करने वाले कियाकलापों का निवारण; समुद्र या वायु द्वारा विदेश यात्रा पर, अन्तदशीय वायु यात्रा पर तथा डाक वस्तुओं पर, जनके अन्तर्गत मनीयार्डर, फोनोआम तथा तार भी हैं, कर।"। "

बी० बी० गिरि,
राष्ट्रपति ।
[सं० एफ० 19(6)।71~एस०ुँ]]
के० के० सुख्दरम्,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार